

2025

SANSKRIT — MINOR

Paper : MN-1

(General Grammar and Metre)

Full Marks : 75

*The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answers in their own words
as far as practicable.*

1. अधोदत्तेषु पञ्चानां रूपाणि संस्कृतभाषया देवनागर्या च लेख्यानि। 1×5
 (निम्नलिखित *ये-कोनो पाँचटा* शब्दरूप संस्कृत भाषाय एवं देवनागरी लिपিতে लेखो।)
 (क) नदी + द्वितीया-बहुवचनम्।
 (ख) मुनि + सप्तमी-एकवचनम्।
 (ग) युष्मद् + सप्तमी-द्विवचनम्।
 (घ) इदम् + क्लीबलिङ्गे तृतीया-एकवचनम्।
 (ङ) चतुर् + स्त्रीलिङ्गे षष्ठी।
 (च) मातृ + षष्ठी-बहुवचनम्।
 (छ) मधु + द्वितीया-द्विवचनम्।
2. सुरगिरा देवनागर्या च यथामति पञ्च धातुरूपाणि लिख्यन्ताम्। 1×5
 (*ये-कोनो पाँचटा* धातूरूप संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपিতে लेखो।)
 (क) √ग्रह् + लट् प्रथमपुरुष-बहुवचनम्।
 (ख) √दृश् + लृट् उत्तमपुरुष-एकवचनम्।
 (ग) √कृ + लोट् (परस्मैपदे) मध्यमपुरुष-एकवचनम्।
 (घ) √गम् + विधिलिङ् प्रथमपुरुष-द्विवचनम्।
 (ङ) √लभ् + लङ् उत्तमपुरुष-एकवचनम्।
 (च) √धि + लोट् मध्यमपुरुष-एकवचनम्।
 (छ) √दा + लट् उत्तमपुरुष-एकवचनम्।

Please Turn Over

(4848)

3. यथेच्छं पञ्च अव्ययानि समाश्रित्य सुरगिरा देवनागर्या लिप्या च वाक्यानि विरच्यन्ताम्। 2×5
(ये-कोनो पाँचटि अवयवके आश्रय करे संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते वाक्य रचना करो।)
(क) क्व, (ख) श्वः, (ग) अन्तरा, (घ) अचिरम्, (ङ) शनैः, (च) तदा, (छ) उमयतः।
4. अधोरेखाङ्कितेषु पदेषु यथेच्छं पञ्चानां कारकविभक्तिप्रयोगः सकारणं निर्णयः। 2×5
(निम्ने रेखाङ्कित ये-कोनो पाँचटि पदेषु सकारण कारक-विभक्ति निर्णय करो।)
(क) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति।
(ख) स मासेन व्याकरणम् अपठत्।
(ग) शिशवे मोदको रोचते।
(घ) प्रासादात् प्रेक्षते राजा।
(ङ) हिमवतो गङ्गा प्रभवति।
(च) चर्मणि द्वीपिनं हन्ति।
(छ) स मातुः अन्तर्धत्ते।
5. यथेच्छं पञ्चानां सविग्रहः समासः निर्णयः। 2×5
(विग्रह वाक्यस्य ये-कोनो पाँचटि समास निर्णय करो।)
(क) पीताम्बरः, (ख) अहिनकुलम्, (ग) उपकृष्णम्, (घ) द्वित्राः, (ङ) किंसखा, (च) अष्टाध्यायी, (छ) पुरुषसिंहः।
6. (a) यथेच्छं पञ्चानां सन्धिः विधेयः। 1×5
(निम्ने प्रदत्त ये-कोनो पाँचटि सन्धि करो।)
(क) रामः + अपि।
(ख) रवौ + अस्तमिते।
(ग) विष्णुः + राजते।
(घ) सुधी + उपास्यः।
(ङ) नील + उत्पलम्।
(च) अव + एहि।
(छ) कवी + एतौ।
- (b) यथेच्छं पञ्चानां सन्धिविच्छेदः विधेयः। 1×5
(निम्ने प्रदत्त ये-कोनो पाँचटि सन्धि विच्छेद करो।)
(क) मुनिरिति,
(ख) नीरवः,

- (ग) उत्थानम्,
- (घ) राजर्षिः,
- (ङ) प्रभवेहि,
- (च) भानूदयः,
- (छ) दृष्ट्वैतत्।

7. यथेच्छं पञ्चानां परिनिष्ठितरूपाणि लिख्यन्ताम्।

(ये-कोनो पाँचटि परिनिष्ठित रूप लेखो।)

1×5

- (क) लक्ष्मी + मतुप्
- (ख) अनु-√वद् + ल्यप्
- (ग) √कृ + शानच्
- (घ) √स्था + त्किन्
- (ङ) √लिख् + यत्
- (च) √श्रु + ल्युट्
- (छ) पणिनि + छ।

8. अधोदत्तेषु यथेच्छं पञ्चानां प्रकृतिप्रत्ययविभागशः व्युत्पत्तिः निर्णया।

(निम्ने प्रदत्त ये-कोनो पाँचटि प्रकृति प्रत्यय विभागपूर्वक व्युत्पत्ति निर्णय करो।)

1×5

- (क) रूपवत्,
- (ख) रागः,
- (ग) दण्डी,
- (घ) श्रोतव्यम्,
- (ङ) आर्जुनिः
- (च) दृष्ट्वा,
- (छ) करणीयः।

9. अधोदत्तेषु पञ्चानां वाक्यानाम् अशुद्धिः संशोध्यताम्।

(निम्ने प्रदत्त ये-कोनो पाँचटि वाक्यो अशुद्धि संशोधन करो।)

2×5

- (क) भगवानस्य अपारा महिमा।
- (ख) द्वे बालकौ विद्यालये गच्छतः।

Please Turn Over

(4848)

- (ग) वर्षायां पन्थाः पिच्छिलाः भवति।
 (घ) प्राते भ्रमणं मम रोचते।
 (ङ) सूर्यम् उदिते पद्मानि प्रकाशते।
 (च) मे मनः सुखं नास्ति।
 (छ) आत्मा सततं रक्षेत।

10. यथेच्छं पञ्चानां विकल्परूपाणि लिख्यानि।

(निम्ने प्रदत्त ये-कोनो पाँचटि विकल्परूप लेखो।)

- (क) युष्माकम्,
 (ख) मह्यम्,
 (ग) मतये,
 (घ) अष्ट,
 (ङ) वारे,
 (च) गृहाण,
 (छ) अशृणुम।

1×5